भण्डारों में से इस माल को उठाए जाने तथा इसे बदलने अथवा नष्ट करने के लिए सुझाव देव के प्रयोजन से एक खराब माल-संबंधी समिति का गठन किया गया था।

2. तदनुसार 1.98 लाख की कीमत के इस खराब माल को सभी परचून दुकानों से जून-जुलाई 1989 में उठा लिया गया था और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के औपचारिक अनुमोदन से, इस माल को केन्द्रीय भण्डार के मुख्य कार्यालय के समीपवर्ती भवन के एक भाग में रख दिया गया था। 16 दिसम्बर, 1989 को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के प्राधिकारियों ने इस खराब माल को उक्त भवन से उठा दिया था क्योंकि उन्होंने इस स्थान को किसी अन्य सरकारी विभाग को सौंपना था। ऐसा करते हुए इस खराब सामग्री को इससे पहले कि इसे इकट्ठा करके भवन के गैरिज में रखा जाता, एक खुले स्थान पर रख दिया था।

3. 19-12-1989 को केन्द्रीय भण्डार ने सांविधिक तथा आन्तरिक लेखा परीक्षकों को इस खराब माल का तत्काल सत्यापन करने के लिये अनुरोध किया। लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से यह पता चलता है कि दर्ज की गई मूल कीमत के मुकाबले में यह खराब सामान कम हो गया था। यह कमी इस खराब माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर रखने तथा समय के साथ साथ इसके खराब हो जाने के कारण हुई थी।

4. इस बात को मद्दे नजर रखते हुए कि केन्द्रीय भण्डार से वर्ष 1983-84 से ले कर वर्ष 1988-89 तक 4379 लाख रुपये का कारोबार रहा था जिसमें से सोसायटी द्वारा बेचे गए कुल सामान के मुकाबले में खराब हुए सामान की कुल कीमत केवल 0.05% बैठती है। इस अवधि के दौरान इस किस्म के नुकसान को पूरा करने के लिये 2.33 लाख रुपये की व्यवस्था की हुई है।

5. फिर भी 3-9-1990 को पूछे गए लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या 347 के अपने उत्तर में प्रधान मंत्री की ओर से माननीय मंत्री द्वारा दिये गए एक आश्वासन के अनुसरण में कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के मुख्य सतर्कता अधिकारी को उक्त खराब सामग्री की जांच करने का कार्य सौंपा गया है। इसके निष्कर्षों की प्रतीक्षा की जा रही है।

Arsenals used in Golf war

762. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the PRIME MINISTER toe pleased to state:

(a) whether Government have studied the different arsenate used by Iraq and allied forces in the Gulf war recently; and

(b) if so, what kind of strategy Government will adopt for the defence sector of the nation in view of these latest arsenals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI LALIT VIJAY SINGH); (a) and (b) An objective and comprehensive study of the performance of the weapon systems used by both the sides can be undertaken after the war is over, assuming that there Shall be no difficulty about the availability of reliable information.

One **family one Job norms**

763. SHRI S. S. AHLUWALIA; Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that. Deputy Prime Minister has recently advocated for one family one job norms for Government Services;

(b) if so, what is the reaction of Government in this regard; and

(c) by when Government propose to implement one family one job norm in Government Services?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI KAMAL MORARKA); (a) In one of his speeches, referring to the problem of